मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 42 ■ अंक : 273 ■ शुक्रवार, 24 जनवरी 2025 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

शाहिद कपूर नहीं चाहते बच्चे बनें एक्टर्स

संक्षेप...

उल्हासनगर में संविधान जागर

उल्हासनगर. गणतंत्र दिवस के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में उल्हासनगर-4 के सुभाष टेकड़ी क्षेत्र में विभिन्न समान विचारधारा वाले सामाजिक संगठनों द्वारा 19 से 26 जनवरी 2025 तक संविधान जागर सप्ताह का आयोजन किया गया है।

इस आयोजन के अनुसार, सामाजिक संगठनों के कार्यालय और गांव स्तर पर संविधान के बारे में जागरूकता पैदा करना और संविधान के महत्व और जानकारी को हर नागरिक तक पहुंचाना इसका उद्देश्य है और इसका समापन 26 जनवरी को होगा।

संविधान बहुउद्देशीय संगठन द्वारा 19 जनवरी से उल्हासनगर कैंप 4 के सुभाष टेकड़ी क्षेत्र में संविधान जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

सालभर में 75 जबरन वसूली और 10 डकैती के मामले दर्ज

- **ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में डकैती के दर्ज मामलों की जांच दर 90 प्रतिशत**

ठाणे. ठाणे पुलिस आयुक्तालय में वर्ष 2024 में जबरन वसूली और डकैती की घटनाओं में वृद्धि हुई है। वर्ष के दौरान डकैती के 10 मामले दर्ज किये गये। अब तक जबरन वसूली के 75 मामले दर्ज किये गये हैं। आंकड़े बताते हैं कि 10 डकैती के मामलों में खोई संपत्ति और जब्त की गई संपत्ति के बीच बहुत बड़ा अंतर है।

पिछले वर्ष ठाणे पुलिस आयुक्तालय में डकैती के दस मामले दर्ज किये गये। पुलिस ने डकैती के सिलसिले में कुल 36 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस प्रकार, 9 अपराध सुलझा लिये गये। लूट की तैयारी कर रहे आरोपियों को पुलिस की सतर्कता के कारण घटना से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले वर्ष दर्ज 7 मामलों में पुलिस 30 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल रही।

डकैती के दर्ज मामलों की जांच दर 90 प्रतिशत है। अपराध में चोरी की गई संपत्ति की कीमत 41 लाख 40 हजार 130 रुपये है और ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस आरोपियों से संपत्ति बरामद करने में विफल रही है। डकैती के दर्ज दस मामलों में पुलिस केवल 2,430 रुपये की संपत्ति जब्त करने में सफल रही है। इस वर्ष पुलिस ने अपराध रोकने के लिए विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित करने का संकल्प लिया है तथा इस संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार से पुलिस बल बढ़ाने का अनुरोध भी किया है।

पिछले वर्ष 75 में से 68 जबरन वसूली के मामले सुलझाए गए

पिछले वर्ष ठाणे में छोटी-बड़ी जबरन वसूली की घटनाएं जारी रहीं। ठाणे पुलिस ने जबरन वसूली करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया, कई आरोपियों को गिरफ्तार किया और 75 मामले दर्ज किए। ठाणे पुलिस 68 अपराधों को सुलझाने और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल रही है। पुलिस ने बताया कि अपराध जांच दर 91 प्रतिशत है।

अंबरनाथ में ट्रेलर ने 50 वाहनों को मारी टक्कर

- **शराबी चालक गिरफ्तार**
- **कुछ लोग घायल**
- **लाखों का नुकसान**

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में गुरुवार को शराब के नशे में धुत एक ट्रेलर चालक ने 50 वाहनों को टक्कर मारकर नुकसान पहुंचाया है. उसने पुलिस के एक वाहनत कई रिक्शा, दो पहिया वाहनों को टक्कर मार कर लाखों का नुकसान पहुंचाया है. आखिर कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस और वाहन चालकों ने उसे धर दबोचा. ट्रेलर चालक ट्रेलर पर कंट्रोल नहीं कर पा रहा था. आखिर ट्रेलर उलट गया और वह पकड़ा गया. चालक ने एक दो पहिया वाहन चालक को रॉड से भी मारा है, वह घायल हो गया है. कुछ लोग घायल हैं. जनहानि की कोई खबर नहीं है. ट्रेलर चालक अंधाधुंध तरीके से ट्रेलर को आगे पीछे चला रहा था और उसकी चपेट में जो भी वाहन आ रहा था, उसके परखच्चे उड़ रहे थे. डोंबिवली-बदलापुर पाइप लाइन रोड पर ये दुर्घटना हुई. नेवाली नाके से अंबरनाथ आ रहे ट्रेलर नं. सी. जी. 04 एचयू 5171 ने पहले नेवाली नाके पर एक वाहन को उड़ाया. पालेगांव से आनंद नगर अंबरनाथ पुलिस चौकी, वैभव होटल से सदामा होटल चौक से वह रॉग साइड से ट्रेलर चला रहा था और जो भी सामने से आ रहा था, उसे टक्कर मारकर वह आगे बढ़ता रहा. कुछ चालकों ने उसे रोकने के लिए ट्रेलर पर पथराव भी किया लेकिन उसने रुकने का नाम नहीं लिया और आनंद नगर एमआईडीसी रोड पर ट्रेलर को ले गया. जहां ट्रेलर उलट गया. दो चालकों पर उसने ट्रेलर चढ़ाने का प्रयास किया. इस शराबी ट्रेलर चालक को शिवाजी नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

होटल मालिक की पुराने नौकर ने हत्या कर दी

- **दो घायल; तीन आरोपी गिरफ्तार; एक फरार**
- **शीलफाटा की घटना**

कल्याण. होटल के गल्ले से पैसे चुरा रहे कर्मचारियों को नौकरी से निकालने तथा शेष वेतन न देने से नाराज एक कर्मचारी ने शराब के नशे में अपने साथियों के साथ मिलकर होटल मालिक की हत्या कर दी। यह खूनी संघर्ष मंगलवार रात को हुआ। झड़प में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। शील डायघर पुलिस ने इस घटना के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

शमीम शेख शिलफाटा स्थित एक चाइनीज होटल में काम करता था। हालाँकि, होटल के गल्ले से लगातार पैसे चुराने के कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया। वह मंगलवार को अपने सहकर्मियों के साथ होटल आया, क्योंकि उन्हें होटल मालिक से कुछ दिनों का वेतन मिलने की उम्मीद थी। इस बार उसके साथ तीन साथी थे और एक तेज चाकू भी था।

इसी दौरान शमीम और मालिकों के बीच बहस हो गई और उसके दोस्त गुड्डू ने अपने पास मौजूद चाकू से उन पर वार करना शुरू कर दिया। इस हाथापाई में अदनान खान के लिंग पर चोट लग गई। इसके बाद शहबाज ने अपने हाथ में लिए चाकू से तौफीक शेख के पेट पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। करीम ने अपने पास रखा चाकू निकाला और फैजल की छाती पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस मामले में शील डायघर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक मौके से फरार हो गया।

बाप-बेटे ने 6 साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

- **उल्हासनगर-3 में चौंकाने वाली घटना**
- **नाबालिग लड़का व उसका पिता गिरफ्तार**

उल्हासनगर. उल्हासनगर में रहने वाली छह साल की बच्ची के साथ उसके पड़ोस में रहने वाले बाप व बेटे द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने की घटना सामने आई है। इस संबंध में बुधवार को सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने नाबालिग लड़के और लड़के के पिता को गिरफ्तार कर लिया।

उल्हासनगर कैंप क्रमांक 3 क्षेत्र में रहने वाली 6 वर्षीय बच्ची की मां लोगों के घरों में काम करती है और पिता मजदूरी करते हैं। जब बच्ची के माता-पिता काम पर जाते थे, तो उसे चॉकलेट का लालच देकर पड़ोस में रहने वाला 12 वर्षीय लड़का और उसका मजदूर पिता, उसके साथ दुष्कर्म करते थे। बुधवार को जब बच्ची के पेट में दर्द होने लगा तो उसकी मां ने उससे बात की तो पूरी कहानी सामने आई। लड़की का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इस संबंध में नाबालिग लड़के और उसके पिता के खिलाफ सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। सेंट्रल पुलिस आगे की जांच कर रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग हर स्तर से उठने लगी है।

शहर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराने के लिए उल्हासनगर भाजपा जिला कार्यकारिणी व पूर्व नगरसेवकों की टीम भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी के नेतृत्व में उल्हासनगर मनपा की नवनियुक्त आयुक्त मनिषा आव्हाले से मिली और उनका स्वागत किया।

सभी समस्याओं का हल किया जाएगा -मुख्याधिकारी

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के मुख्याधिकारी अभिषेक पराडकर ने गुरुवार को मनसे अंबरनाथ के शिष्टमंडल से चर्चा की. उस समय पालिका के सभी विभाग प्रमुख उपस्थित थे. मनसे के शैलेष शिर्के ने शहर की दस गंभीर समस्याओं को लेकर नगर परिषद को इशारा दिया है कि अगर इन समस्याओं का हल नहीं निकाला गया तो वह मनसे पदाधिकारियों के साथ 26 जनवरी से आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे. ये खबर हम दे चुके हैं. मुख्याधिकारी के समक्ष जो मुद्दे पेश किए गए वह इस प्रकार हैं. रेलवे स्टेशन से 150 मीटर तक फेरीवालों को हटाकर ना फेरीवाला जोन घोषित किया जाए. शहर में कचरा ठीक ढंग से उठाया नहीं जा रहा है. ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए. अवैध होर्डिंग्स पर कार्रवाई की जाए. पूर्व में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से बी केबिन रोड तक डीपी सड़क बनाई जाए. चिखलोली डैम और वालधुनी नदी के आसपास के अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाए. बिल्डर नियमानुसार इमारत का निर्माण नहीं कर रहे हैं. उन पर कार्रवाई की जाए.

चर्चा के बाद मुख्याधिकारी पराडकर ने कहा कि नपा इन मुद्दों को लेकर सकारात्मक है. तत्काल उपाय योजना की जाएगी. मनसे की ओर से स्वप्निल बागुल ने कहा कि नपा ने दो दिन के भीतर सकारात्मक उत्तर नहीं दिया तो हम 26 जनवरी से अनशन करेंगे. पराडकर ने मनसे से कहा है कि वह अनशन पर ना बैंठे. इस चर्चा में मनसे के शैलेष शिर्के, कुणाल भोईर, स्वप्निल बागुल, संदीप लकड़े आदि उपस्थित थे.

आरएसएस संघ प्रमुख मोहन भागवत 26 जनवरी को भिवंडी में

भिवंडी. आरएसएस प्रमुख सरसंघ संचालक मोहन भागवत का भिवंडी में 5 दिवसीय प्रवास होगा.

वे भिवंडी शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में आरएसएस इकाई द्वारा आयोजित कई अहम कार्यक्रमों में भाग लेकर संघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे. 26 जनवरी को सुबह शहर के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान बीएनएन कॉलेज प्रांगण में झंडारोहण करेंगे. कार्यक्रम स्थल सहित चरनी पाड़ा निवास परिसर के आसपास सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं.

अंबरनाथ में फेरीवालों पर जबरदस्त कार्रवाई

- **हाथगाड़ी, स्टॉल तोड़े गए, 2 ट्रक सामान जब्त**
- **अवैध फेरीवालों में मचा हड़कम्प**
- **ऐसी कार्रवाई रोजाना होगी : संखे**

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद अतिक्रमण विभाग ने गुरुवार को सुबह से ही शहर पूर्व शिवाजी चौक और पश्चिम में स्टेशन रोड पर फेरीवालों, हाथगाड़ी वालों पर जबरदस्त कार्रवाई करते हुए 150 मीटर तक फेरीवालों का सफाया कर दिया है. इस कार्रवाई में फेरीवालों के सामान, हाथगाड़ी आदि जब्त किया गया है. इस कार्रवाई से अवैध फेरीवालों में हड़कम्प मच गया है. एक ओर इस मुद्दे को लेकर मनसे के पदाधिकारी, नपा कार्यालय में मुख्याधिकारी से चर्चा कर रहे थे, तो दूसरी तरफ नपा कर्मचारी फेरीवालों पर कहर बन कर टूट रहे थे.

अतिक्रमण विभाग अधिकारी नरेंद्र संखे ने कहा है कि 15 दिनों तक ऐसी कार्रवाई चलेगी. मुख्य अधिकारी पराडकर के आदेश पर ये कार्रवाई रोजाना जारी रहेगी. गुरुवार को कार्रवाई के बाद फेरीवाले, हाथगाड़ी वाले गायब हो गए हैं और अंबरनाथ पूर्व-पश्चिम में सड़क के किनारे फेरीवाले दिखाई नहीं दे रहे हैं. संखे ने बताया कि कई अवैध स्टॉल को तोड़ा गया है. शिवाजी चौक पर जो हाथगाड़ियां लगत थी, कुछ को जब्त करके कुछ को तोड़ा गया है. यहां तक कि गैस सिलेंडर भी जब्त किए गए हैं. 20 कर्मचारियों ने ये कार्रवाई की है. 10 हाथगाड़ी तोड़े गए. 2 डंपर भर कर सामान जब्त किया गया है. ऐसी जानकारी देते हुए संखे ने बताया कि हम 15 दिनों तक ऐसी कड़क कार्रवाई अवैध फेरीवालों पर करेंगे. 150 मीटर तक किसी भी फेरीवाले को ठेला, टोकरी आदि लगाने की अनुमति नहीं है.

अंबरनाथ में खत्म नहीं हो रही सफाई व कचरे की समस्या

- **80 करोड़ का टेंडर होने के बावजूद सड़कों पर पड़ा है कूड़ा**

अंबरनाथ. नए साल में अंबरनाथ के लोगों को कचरे की समस्या से मुक्ति मिलेगी और कचरा निपटान नियमित हो जाएगा। यह आश्वासन मुख्य अधिकारी अभिषेक पराडकर ने दिया। हालांकि, नए साल का पहला महीना खत्म होने को है, लेकिन अंबरनाथ के लोगों की कचरे की समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इसलिए, अंबरनाथकर प्रशासन की आलोचना कर रहे हैं।

अंबरनाथ नगर परिषद ने शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 80 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है, लेकिन चूंकि यह टेंडर स्थानीय राजनीतिक नेताओं के इशारे पर है, इसलिए नगर परिषद प्रशासन उनसे काम करवाने में बुरी तरह विफल हो रहा है। इतना ही नहीं, चूंकि नपा प्रशासन इन राजनीतिक नेताओं के सामने असहाय है, तो अंबरनाथवासियों की कचरे की समस्या का समाधान कब होगा? ऐसा प्रश्न उठ रहा है।

अंबरनाथ नगर परिषद ने पांच साल की अवधि के लिए 80 करोड़ 25 लाख रुपये का कचरा प्रबंधन के लिए नया टेंडर जारी किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह टेंडर भी पुरानी कंपनी यानी समीक्षा कंपनी ने ही जीता है। चूंकि शहर के बड़े राजनीतिक नेता समीक्षा कंपनी के पर्दे के पीछे से कामकाज चला रहे हैं, इसलिए नगर परिषद प्रशासन उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के अलावा कुछ नहीं कर पा रहा है। इन सब चीजों से समस्या पैदा हो रही है और उनका गुस्सा भी बढ़ रहा है। इस संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी सुहास सावंत का कहना है कि जितनी कम गाड़ियों का उपयोग किया जा रहा है, उन पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है। अब तक 17 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा चुका है। फिलहाल 5 इलेक्ट्रिक गाड़ियां पायलट आधार पर चल रही हैं और यदि वे सफल रहीं तो कुल 84 गाड़ियां उपयोग में लाई जाएंगी।

भतीजे ने पिता के साथ मिलकर की थी चाचा की हत्या

- **ठाणे ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा ने सुलझाया मामला**
- **15 अगस्त को वरप गांव में मिला था शव**
- **धीमा जहर देकर की थी हत्या**

कल्याण. अकेले रहने वाले डॉ. मुकेश कुमार श्यामसुंदर कुमार (उम्र 60) का शव वरप इलाके में एक बैग में मिला। तीन महीने बाद बेटे ने कल्याण के खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि उसके पिता लापता हैं। ठाणे ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा ने जांच के बाद खुलासा किया है कि मुकेश कुमार की हत्या उसके ही भतीजे ने संपत्ति के लालच में की थी।

15 अगस्त 2024 को कल्याण तालुका पुलिस को वरप गांव के कूड़े के ढेर में एक बैग में एक अज्ञात शव मिला। बैग में जहरीली दवा के कुछ पैकेट भी मिले। शव की पहचान करने और हत्या के आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. डी. एस. स्वामी ने स्थानीय अपराध शाखा और कल्याण तालुका पुलिस की दो अलग-अलग जांच टीमें गठित कीं।

जहरीली दवा मिलने पर मेडिकल दुकान की जांच शुरू

बैग में जहरीली दवाइयां होने के कारण मेडिकल दुकानों की भी जांच की गई। फोटो के आधार पर जांच टीम ने तलाश शुरू की। अंत में पता चला कि मृतदेह गोदरेज हिल, खड़कपाड़ा क्षेत्र के डॉ. मुकेश कुमार का है. कांस्टेबल प्रकाश सईल को खबरियों के माध्यम से जानकारी मिली कि मुकेश कुमार के भतीजे अथर्व ने हत्या की है। डॉ. मुकेश कुमार मर्चेंट नेवी के सेवानिवृत्त अधिकारी थे। लकवाग्रस्त होने के कारण वह चल भी नहीं सकते थे। पारिवारिक विवाद के कारण उनकी पत्नी और छोटा बेटा जयरोश ठाणे में रहते हैं। सबसे बड़ा बेटा अब्रोश और बेटी विदेश में हैं. चूंकि उनके पिता से संपर्क नहीं हो पाया, इसलिए जयरोश ने 7 नवंबर 2024 को खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। उनके भतीजे अथर्व तेजस्वी ही उनकी देखभाल करते थे। अथर्व और उसके पिता भी मुकेश के पास आते थे। उनके भतीजे तेजस्वी उर्फ ओम अजयकुमार मिश्रा (16), जो केयरटेकर के रूप में काम करते थे, और उनके पिता अजयकुमार मिश्रा (54) को गिरफ्तार कर लिया गया. भतीजा तेजस्वी उनके पालन-पोषण से थक गया था। वह उन्हें प्रतिदिन ज़हर की छोटी खुराक देता था, इस उम्मीद में कि उन्हें उनकी संपत्ति भी मिल जाएगी, क्योंकि उनके पीछे कोई नहीं था।

इस घटना में उनकी मृत्यु हो जाने के कारण उनका शव घर पर ही रखा गया। तेजस और अजय कुमार ने स्वीकार किया कि उन्होंने बोतल को एक थैले में डालकर फेंक दिया था, क्योंकि उन्हें डर था कि वह फट जाएगी। जांच में यह भी पता चला कि तेजस अपनी हत्या के बाद भी अपनी सेवानिवृत्ति की रकम खर्च कर रहा था।

जानलेवा हमले के मामले में 3 गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण पूर्व में पुराने विवाद को लेकर हुए झगड़े में दीपक यादव उर्फ गबरू नामक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम दीपक यादव उर्फ कालिया, तुषार वाल्मीकि और प्रेम सदाबसे बताए गए हैं.

कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कदम ने बताया कि दो दिन पहले कल्याण पूर्व के कैलाश नगर परिसर में पुरानी रंजिश को लेकर दो गुटों में झड़प हुई थी, झड़प के दौरान आरोपियों ने दीपक यादव उर्फ गबरू पर चाकू और लोहे की रॉड से जानलेवा हमला किया गया था. गिरफ्तार किए गए तीन में से दो आरोपियों पर पहले से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

राज्य सरकारों से तनातनी

कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर कई राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच पहले से तनातनी रही है। अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए मसविदे पर विवाद शुरू हो गया है। केंद्रीय शिक्षामंत्री ने नए नियमों का बचाव करते हुए कहा कि यह नियुक्ति की पिछली सभी प्रक्रियाओं का पालन करता है। मगर हैरत की बात है कि कुलपतियों के चयन और उनकी नियुक्ति पर बन रहे नए मसविदे को तैयार करने से पहले राज्यों को भरोसे में नहीं लिया गया।

नतीजा यह हुआ कि न केवल गैर-भाजपा शासित राज्यों ने आपत्ति जताई, बल्कि राजग के भीतर भी सवाल उठ गए हैं। प्रमुख घटक दलों ने कहा है कि इससे राज्य सरकारें हतोत्साहित होंगी। इस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। दरअसल, राज्यों की आपत्ति है कि नए मसविदे से संविधान में निहित संघीय सिद्धांतों का उल्लंघन होगा।

नए नियम से निर्वाचित सरकारों की भूमिका हो जाएगी सीमित

तमिलनाडु ने तो इसे तुरंत वापस लेने का आग्रह किया है। जबकि राजग के भीतर सवाल उठा है कि इन नियुक्तियों में निर्वाचित सरकारों की भूमिका सीमित हो जाएगी। यही वजह है कि कुछ राज्य कुलाधिपति पद से राज्यपालों को दूर रखने के विधेयक पारित कर चुके हैं। यह बात और है कि राज्यपालों ने उन्हें मंजूरी नहीं दी। सर्वविदित है कि कुलाधिपति यानी राज्यपाल ही राज्य सरकार की सलाह से अंतिम चयन करते आए हैं। मगर अब वे अपनी पसंद की नियुक्ति करते दिखते हैं। इसी को लेकर प्रायः विवाद होते हैं।

कहा जा रहा है कि नए नियमों के मुताबिक विश्वविद्यालयों को दूरदर्शी और नेतृत्व क्षमता वाले कुलपति मिलेंगे, लेकिन दूसरी ओर दस साल के शिक्षण की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। यानी गैर-शैक्षिक क्षेत्रों के लोग कुलपति बनेंगे। जाहिर है, इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। चयन में आयोग के प्रतिनिधि की भी भूमिका रहेगी। ऐसे में राज्य सरकार की सलाह और उनकी ओर से भेजे गए नामों का क्या महत्त्व रह जाएगा। फिलहाल, विमर्श के बाद सभी सुझावों पर केंद्र को विचार करना होगा। केरल ने जिस तरह विरोध में प्रस्ताव पारित किया है, उससे टकराव बढ़ने का अंदेशा है। इसमें संबंधित पक्षों की चिंता दूर करने की जरूरत है।

ट्रंप की नीतियों से लाभ उठाए भारत, चीन से रहे सावधान

इसमें कोई संशय नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप इस बार कहीं अधिक ताकतवर राष्ट्रपति साबित होने वाले हैं। उनकी नई आर्थिक रणनीति में जहां समृद्ध अमेरिका के सपने को साकार करने के लिए आयात शुल्कों को बढ़ाना शामिल है, वहीं अमेरिका को चुनौती दे रहे चीन के आर्थिक दबदबे को कारोबारी प्रतिबंधों और ऊंचे शुल्कों से नियंत्रित करना भी।

ट्रंप ने सबसे पहले चीन, कनाडा, मेक्सिको सहित उन शीर्ष पांच-छह देशों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाने का संकेत दिया है, जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा सर्वाधिक है। चूंकि ट्रंप ने भारत को भी कुछ उत्पादों के लिए अधिक आयात शुल्क वाला देश कहा है, ऐसे में भारत द्वारा कुछ उत्पादों से शुल्क घटाने से उसे अमेरिका में निर्यात के अधिक मौके प्राप्त हो सकते हैं।

ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमेरिका प्रथम' की धारणा को प्राथमिकता देते हुए परस्पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं की जगह अमेरिकी आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती की ओर बढ़ने के इरादे जताए हैं। इसका कारण यह भी है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व में जो आर्थिक-कारोबारी नियम, समझौते और सहकारी एजेंडे बनाए गए, वे सब ध्वस्त होते हुए दिखाई दे रहे हैं। चीन ने स्वीकार्य वैश्विक कारोबारी नियमों का पालन नहीं किया है। उसने न केवल रणनीतिक रूप से पश्चिम का औद्योगीकरण समाप्त करने का काम किया है, बल्कि उसने पश्चिम की कई नई तकनीकें भी चुराई हैं। इसके चलते चीन का दबदबा बढ़ता जा रहा है। 2024 में अमेरिका का सबसे ज्यादा

व्यापार घाटा चीन से रहा।

2030 तक चीन का विनिर्माण क्षेत्र समूचे पश्चिम के विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में अधिक हो जाने का अनुमान है। हाल में चीन ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की चुनौती से निर्मित कुछ पहलुओं पर अमेरिका से मुकाबले की नई आर्थिक रणनीति बनाई है। इसके तहत चीन में मांग में ठहराव, बिगड़ती बाहरी आर्थिक चुनौतियों और चीनी अर्थव्यवस्था में गिरावट की बात स्वीकार करते हुए बड़े आर्थिक प्रोत्साहन का रास्ता चुना गया है। रेटिंग एजेंसियों का अनुमान है कि ट्रंप की नीतियों से चीन को भारी नुकसान हो सकता है और भारत समेत आसियान देशों को फायदा होगा। मूडीज रेटिंग्स का कहना है कि अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते तनाव और रणनीतिक क्षेत्रों में संभावित निवेश प्रतिबंधों के कारण भारत और अन्य एशियाई देशों को लाभ मिल सकता है।

एशिया-प्रशांत में व्यापार और निवेश प्रवाह चीन से छिटक सकता है, क्योंकि अमेरिका रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश को सख्त कर रहा है, जिसका चीनी आर्थिकी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारतीय स्टेट बैंक की शोध इकाई के अनुसार ट्रंप की आर्थिक नीतियों से यद्यपि भारत भी अप्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेगा, लेकिन दीर्घावधि में उनकी नीतियों का भारत पर सकारात्मक असर होगा।

भारत के लिए आर्थिक मौके बढ़ेंगे। विदेश व्यापार विशेषज्ञों के मुताबिक ट्रंप की नीतियों से भारत के शेयर बाजार में और मजबूती आ सकती है। चीन में मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली कई विदेशी कंपनियां भी भारत का रुख कर सकती हैं। भारत को अब तक चीन प्लस वन रणनीति अपनाने में सीमित फायदा ही मिला है। ट्रंप के कार्यकाल में यह फायदा बढ़ सकता है।

ट्रंप के कार्यकाल की शुरुआत में ही अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से भारत-अमेरिका व्यापार बढ़ सकता है। भारत अमेरिका में निर्यात बढ़ाते हुए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में भी आगे बढ़ सकता है। मोदी और ट्रंप के बीच मित्रता के बहुआयामी अध्याय भारत-अमेरिका व्यापार को बढ़ाने में मददगार होंगे।

वैश्विक अर्थविशेषज्ञों का यह भी मत है कि भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ता हुआ व्यापार ट्रंप के नए कार्यकाल में और बढ़ेगा। वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 120 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। 2024 में जनवरी से जून के बीच अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनने के साथ-साथ भारत के लिए अमेरिका निर्यात के सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है।

केवल आध्यात्मिक प्राप्ति ही स्थाई उपलब्धि है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

डोनाल्ड ट्रंप के फैसले का शुरू हुआ विरोध

राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के साथ ही जिस तरह डोनाल्ड ट्रप ने आनन-फानन अनेक कड़े फैसले और एलान कर डाले, उससे स्वाभाविक ही दुनिया भर में तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। सबसे कड़ा फैसला उन्होंने अमेरिका में जन्म के साथ ही हर बच्चे को स्वतः वहां की नागरिकता मिल जाने संबंधी कानून को रद्द करने का किया। इस पर तुरंत प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गईं। अब डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रभाव वाले वहां के बाईस राज्यों ने इस फैसले को अदालत में चुनौती दे दी है।

भारतीय मूल के सांसदों ने भी इसका विरोध किया है। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन के अधीन काम करने वाली कई संस्थाओं ने इसे अदालत में चुनौती दी है। जाहिर है, ट्रंप प्रशासन के लिए इस फैसले पर आगे कदम बढ़ाना आसान नहीं रह गया है। जन्म के साथ नागरिकता का कानून अमेरिकी संविधान में वर्णित है, इसलिए उसे बदलने पर विरोध की आशंका पहले ही क्षण से जताई जाने लगी थी। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी कानून को लागू करने या बदलने को लेकर असीमित अधिकार प्राप्त हैं, पर वहां की कानून-व्यवस्था ऐसी है कि राष्ट्रपति भी उससे ऊपर नहीं हैं।

दरअसल, ट्रंप शुरू से अवैध घुसपैठ और आव्रजन संबंधी नियमों में लचीलेपन के खिलाफ रहे हैं। अपने पिछले कार्यकाल में भी उन्होंने कहा था कि आव्रजन नियमों में कमजोरी का लाभ उठा कर बहुत सारे लोग दूसरे देशों से आ जाते हैं और वे अमेरिकी युवाओं का हक मारते और संसाधनों का उपभोग करते हैं। सीमाओं पर सख्त निगरानी न होने के कारण हर वर्ष लाखों लोग अवैध रूप से घुस आते हैं।

ट्रंप ऐसे हर विदेशी नागरिक को

अमेरिका से बाहर निकालना चाहते हैं। इसलिए शपथ ग्रहण के साथ ही उन्होंने सीमाओं पर आपातकाल लगा दिया और वहां सेना भेजने का फरमान जारी कर दिया। ऐसा नहीं कि ट्रंप से पहले अवैध घुसपैठियों पर नजर नहीं रखी जाती थी या गलत तरीके से आए लोगों को वापस नहीं भेजा जाता था। मगर ट्रंप जिस तरह विदेशी नागरिकों का वहां से सफाया करना चाहते हैं, उसे किसी भी लोकतांत्रिक देश का कदम नहीं माना जा सकता।

अवैध घुसपैठ निस्संदेह अमेरिका के सामने बड़ी समस्या है और उससे निपटने के लिए कड़े कदम उठाने का विरोध नहीं किया जा सकता। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि वैध रूप से वहां रह रहे लोगों को भी नाहक निशाने पर ले लिया जाए। इससे विदेशी नागरिकों की मुश्किलें तो बढ़ेंगी ही, अमेरिका को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

शपथ ग्रहण से पहले जब ट्रंप ने घोषणा की थी कि वे एच वन-बी वीजा खत्म करेंगे, तब उनके करीबी एलन मस्क ने ही सबसे पहले उसका विरोध किया था। इसके पीछे वजह यही थी कि ऐसे फैसले से दूसरे देशों से तकनीकी विशेषज्ञों और कुशल लोगों को लाना कठिन हो जाएगा। अमेरिका बेशक दुनिया का संपन्न देश है, पर हकीकत यह भी है कि बहुत सारे तकनीकी मामलों में उसके पास कुशल और विशेषज्ञ नागरिक नहीं हैं। जिस तरह भारी शुल्क थोपने से दूसरे देशों में अमेरिका का भी बाजार सिकुड़ जाएगा, उसी तरह विदेशी नागरिकों को वहां से निकाल बाहर करने या प्रवेश रोकने पर उसके औद्योगिक उत्पादन पर बुरा असर पड़ सकता है। ट्रंप कुशल व्यवसायी हैं और इतने कड़े तथा व्यापक विरोध के बावजूद, वे नहीं चाहेंगे कि जन्मजात मिलने वाली नागरिकता के कानून पर विवाद लंबा खिंचे।

पानी में ही खड़ा कर दिया तैरने वाला घर

जरा हट के

इंजीनियर अपने जुगाड़ू दिमाग से मुश्किल से मुश्किल चीज को भी आसान बना देता है. कई ऐसे काम हैं, जिसे करने में लाखों रुपए खर्च होते हैं. उन कामों को अच्छे इंजीनियर काफी आसानी के साथ कम पैसों में कर देते हैं. कुछ ऐसा ही जमुई के इंजीनियर ने भी कर दिखाया है, जिन्होंने केवल जुगाड़ का इस्तेमाल कर एक ऐसा घर बना दिया है, जो पानी पर तैरता है. प्लास्टिक के ड्रम और लोहे के पाइप से इस इंजीनियर ने इस घर को बनाया है. इसकी सबसे खास बात यह है कि यह पानी पर एक जगह से दूसरी जगह तैरती है और इसे आसानी के साथ यहां से वहां ले जाया जा सकता है. दरअसल जमुई जिला मुख्यालय के रहने वाले श्रीकांत विश्वकर्मा ने इस घर को बनाया है और इसे वर्तमान में जमुई जिले के बरहट प्रखंड क्षेत्र की अति प्रसिद्ध कुकुरझप डैम में लगाया गया है.

इस घर को बनाने के लिए

लोहे के स्क्वायर पाइप का इस्तेमाल किया गया है, जिसके सहारे इस पूरे घर का फ्रेम बनाया गया है. श्रीकांत विश्वकर्मा ने बताया कि घर के नीचे प्लास्टिक के ड्रम लगे हैं, जिसे अच्छी तरह से सील करके घर का बेस तैयार किया गया है और उन्हीं ड्रम के सहारे यह घर पानी में तैरता रहता है और यह कभी नहीं डूबता. घर को स्वरूप देने के लिए इन्होंने टीन के शेड का इस्तेमाल किया है. उन्होंने बताया कि इसके निर्माण में दो से तीन दिन का वक्त लगा. आधे से अधिक काम इन्होंने अपनी दुकान पर पूरा कर लिया. फिर डैम पर ले जाकर बाकी का बचा हिस्सा इन्होंने असेंबल कर दिया, जिसके बाद यह घर बनकर पूरी तरह से तैयार हो गया और पानी पर तैर रहा है.

बताते चलें कि इस घर का इस्तेमाल ऐसे तो मछली पालन के लिए किया गया है. लेकिन आप यहां पहुंचकर इसमें बैठ भी सकते हैं और घूमने का भी मजा उठा सकते हैं. कुकुरझप डैम में बड़े पैमाने पर मछली पालन किया जाता है और मछली का खाना से लेकर कई अन्य प्रकार की सामग्री रोजाना छोटी नाव से एक जगह से दूसरी जगह ले जानी पड़ती है. बारिश और गर्मियों के सीजन में मछली पालन करने वाले लोगों को कई तरह की परेशानी होती थी, जिसे देखते हुए इस घर का निर्माण कराया गया है.

क्या मूंगफली खाने से बढ़ सकता है कोलेस्ट्रॉल?

- इस बात में कितनी सच्चाई
- डाइटिशियन से जान लीजिए

सर्दियों के मौसम में मूंगफली खाना सभी को अच्छा लगता है. मूंगफली को लोग स्नैक्स के तौर पर खाते हैं और इनका इस्तेमाल खाने-पीने में भी जमकर करते हैं. कई लोग मूंगफली की चटनी बनाकर खाना पसंद करते हैं. मूंगफली को गरीबों का बादाम कहा जाता है, क्योंकि इसमें पोषक तत्वों का भंडार होता है. हालांकि कई लोग मूंगफली खाने से बचते हैं और मानते हैं कि मूंगफली खाने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है. क्या वाकई मूंगफली कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ा सकती है? इस बारे में डाइटिशियन से सच्चाई जानने की कोशिश करते हैं.

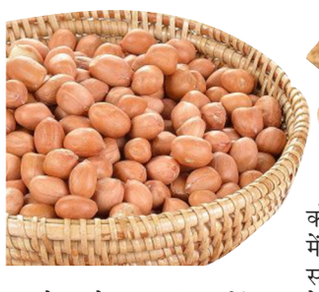

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की सीनियर डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने बताया कि मूंगफली को सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इनमें हेल्दी फैट्स होते हैं. मूंगफली को अगर लिमिट में खाया जाए, तो इससे शरीर में को ले स्ट्रॉल ले व ल

को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. कई रिसर्च में मूंगफली को बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल (HDL) बढ़ाने में कारगर बताया गया है. हार्ट हेल्थ के लिए मूंगफली को बेहद फायदेमंद माना जा सकता है. हालांकि इसका ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि लिमिट से खाने से सेहत को नुकसान भी हो सकता है.

डाइटिशियन के मुताबिक मूंगफली हाई कैलोरी होती है और इसका ज्यादा सेवन करने से वजन बढ़ सकता है. जो लोग मोटापे या ओवरवेट से जूझ रहे हैं, उन्हें मूंगफली कम मात्रा में ही खानी चाहिए. यह भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि मूंगफली को कभी भी ज्यादा नमक डालकर नहीं खाना चाहिए. इससे शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ सकता है और ब्लड प्रेशर व कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है. इसलिए मूंगफली में नमक डालकर खाने से बचें. इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति को मूंगफली से एलर्जी है, तो उसे भी मूंगफली खाने से बचना चाहिए, वरना तबीयत बिगड़ सकती है.

एक्सपर्ट की मानें तो मूंगफली में अच्छी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है, जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी होता है. वेजिटेरियन लोग मूंगफली का सही मात्रा में सेवन करेंगे, तो उन्हें प्रोटीन की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा. मूंगफली को मेंटल हेल्थ के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है. इसमें विटामिन B3 और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं. मूंगफली खाने से मानसिक तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है और इससे शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ सकता है.

मखाना चाट

मखाना का यूज सिर्फ स्वीट डिश और सब्जी बनाने के लिए ही नहीं किया जाता है। इससे तैयार चाट सेहत से जुड़ी मधुमेह जैसी कई गंभीर समस्याओं में भी राहत दे सकती है। मखाने में एंटीऑक्सीडेंट के साथ-साथ कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जो न सिर्फ डायबिटीज में फायदा पहुंचाते हैं अगर आप भी अपने शुगर लेवल को कंट्रोल रखने के लिए डाइट में मखाना शामिल करना चाहते हैं तो झटपट बनाएं चटपटी मखाना चाट।

सामग्री :

- दो कप मखाना
- आधा कप मूंगफली
- दो बड़े चम्मच कटा हुआ प्याज
- दो बड़े चम्मच कटा हुआ टमाटर
- दो बड़े चम्मच कटा हुआ खीरा
- एक बड़ा चम्मच हरी चटनी
- एक बड़ा चम्मच इमली की चटनी

- एक बड़ा चम्मच नींबू का रस
- एक चम्मच नमक
- एक चम्मच मिर्च पाउडर
- दो चम्मच चाट मसाला

बनाने का तरीका

मखाना चाट बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में मखाने और मूंगफली को धीमी आंच पर ड्राई रोस्ट कर लें। इन दोनों चीजों को सुनहरा और क्रिस्पी होने तक टॉस करें। अब एक छोटा बाउल लेकर उसमें मिर्च पाउडर, नमक और चाट मसाला, कटा हुआ प्याज, कटा हुआ टमाटर और कटा हुआ खीरा डालकर अच्छी तरह सभी चीजों को मिक्स करें। इसके बाद चाट में हरी चटनी और इमली की चटनी मिलाने के बाद भुने हुए मखाने और भुनी हुई मूंगफली भी मिला दें। चाट को गार्निश करने के लिए कटी हुई धनिया पत्ती से सजाएं। आपकी मखाना चाट बनकर तैयार है। इसे सर्व करने से पहले इसमें नींबू का रस मिलाएं। अगर आप चाट को हल्का क्रिस्पी बनाना चाहते हैं तो उसके लिए इसमें नमकीन भी मिला सकते हैं।

हरी मटर को जान लें स्टोर करने का तरीका

- नहीं खरीदनी पड़ेगी फ्रोजन मटर

सर्दियों में हरी मटर खाना तो खूब अच्छा लगता है। सब्जी, दाल से लेकर पूड़ी और कचौड़ी में भरकर बनीं मटर स्वाद ज्यादातर लोगों को पसंद है। तभी तो बिना सीजन के लोग फ्रोजन मटर खरीदना पसंद करते हैं। लेकिन

अगर आप मार्केट से फ्रोजन मटर को हार्मफुल मानकर नहीं खरीदना चाहते हैं। तो ताजी हरी मटर को स्टोर करने का ये तरीका जान लें। जिसकी मदद से आप इसे फ्रीजर में लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं और गर्मियों में भी हरी मटर के स्वाद का लुत्फ उठा पाएंगे।

- कैसे करें हरी मटर को स्टोर

हरी मटर को फ्रीजर में स्टोर करके लंबे समय तक रखा जा सकता है। लेकिन ये मटर फ्रीजर में भी कई बार एक से दो महीने रखने के बाद खराब हो जाती है। ऐसे में आप बिल्कुल मार्केट जैसी फ्रोजन मटर स्टोर करने का तरीका जान लें। जो लंबे समय तक सही सलामत आपके फ्रीजर में रखी रहेगी।

- बाजार जैसी हरी मटर घर में स्टोर करने का तरीका

बाजार जैसी हरी मटर घर में स्टोर करना है तो सबसे पहले मटर को छीलकर अच्छी तरह से धो लें। फिर किसी भगोने में पानी गर्म करें और उसमे मटर को डाल दें। करीब पांच मिनट तक मटर को उबलने दें और दूसरे भगोने में बर्फ वाला ठंडा पानी तैयार करें। गर्म पानी से मटर को निकालकर सीधे ठंडे पानी में डाल दें।

- किसी साफ तौलिये पर इस मटर को फैलाकर सुखा लें।
- प्लास्टिक के जिप लॉक वाले बैग में डालें और एयर निकालकर अच्छी तरह से सील कर दें।
- बस इस मटर को फ्रीजर में स्टोर करें और बिना मौसम भी हरी मटर को एंज्वॉय करें।

नौकरी के प्रेशर से हर शख्स परेशान!

- 10 में 9 युवा एंग्जाइटी के शिकार
- 25 साल से कम वालों का और भी बुरा हाल

एक हालिया सर्वे में पाया गया कि 25 साल से कम उम्र के जो युवा नौकरी कर रहे हैं उनमें से 90 प्रतिशत युवा एंग्जाइटी के शिकार हैं. यानी उनका मन हरदम बेचैन रहता है और इस कारण वे हरदम परेशान भी रहते हैं.

जाहिर है इससे न तो वे काम को सही तरीके से कर रहे हैं और न ही निजी जिंदगी में उनका अच्छा चल रहा है. सैलरी, अच्छी नौकरी, प्रमोशन, रिलोकेशन और रिलेशनशिप की जटिलताओं से उनका मन खिन्न रहता है. एक तरफ एन आर नारायण मूर्ति और एसएन सुब्रमणियम जैसे दिग्गज काम के घंटों को बढ़ाने की वकालत करते हैं और दूसरी ओर युवाओं में नौकरी की जटिलताओं के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन बढ़ रहे हैं. ऐसे में यह सर्वे रिपोर्ट कहती है कि कॉरपोरेट जगत में काम करने वाले युवाओं को तत्काल मानसिक मदद की जरूरत है. यह सर्वे करीब 83 हजार काउंसलिंग सेशन के दौरान किया गया.

45 की उम्र के बाद भी परेशानी कम नहीं

सर्वे में कहा गया कि 25 साल से कम युवाओं के मुकाबले जो लोग एकदम सेटल हो गए हैं और 45 की उम्र से ज्यादा के हो गए हैं उनमें भी एंग्जाइटी का लेवल 67 प्रतिशत है. सर्वे में कहा गया है कि इन स्थितियों से निपटने के लिए कॉरपोरेट जगत में काम करने वाले युवाओं को तत्काल मदद की जरूरत है. इनमें से अधिकांश को मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से काउंसलिंग की जरूरत है. यह सर्वे वन टू न हेल्प ग्रुप ने किया जिसने स्टेट ऑफ इमोशन वेल बीइंग रिपोर्ट 2024 नाम की रिपोर्ट प्रकाशित की है. सर्वे के मुताबिक कॉरपोरेट जगत में काम करने वालों में मानसिक हेल्थ की समस्याएं 15 प्रतिशत तक बढ़ी है. सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि 59 प्रतिशत वर्करों में खुद को किसी न किसी तरह से हानि पहुंचाने की प्रवृति के संकेत मिले हैं. यहां तक कि इंप्लॉय के परिजनों में भी आत्महत्या के संकेत मिले हैं. ये सारी चीजें इस बात पर जोर देती है कि न सिर्फ इंप्लॉय बल्कि इनके परिजनों को भी काउंसलिंग की जरूरत है.

मैनेजरों की मदद की दरकार

वन टू वन हेल्प की सीईओ महुआ विष्ट ने कहा कि हमारे इस रिपोर्ट से यह बात सामने आई है कि कर्मचारियों में बहुत हद तक एंग्जाइटी बढ़ गई है. इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें मैनेजर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. इंप्लॉय के इस चंगुल से बचाने के लिए से बचाने के लिए सही समय पर सही मदद की जरूरत है. मैनेजर अगर इस समय इंप्लॉय तक पहुंचकर उन्हें भावनात्मक देंगे तो इसका बहुत ज्यादा सकारात्मक असर होगा. रिपोर्ट में कहा गया है कि जब इंप्लॉय को लेकर काउंसलिंग की बात आती है तो वर्कप्लेस से संबंधित कई सारी समस्याएं सामने आई. रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि पुरुषों द्वारा काउंसलिंग लेने में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई. पुरुषों में 70 प्रतिशत लोग वित्तीय चिंताओं के कारण काउंसलिंग में भाग लिए. उन्हें सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि उनका और उनके परिवार इतने कम पैसों में गुजारा कैसे होगा.

आज का राशिफल

मेष : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

वृषभ : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। कष्ट संभव है।

मिथुन : कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी।

कर्क : मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

सिंह : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी की बातों में न आएं।

कन्या : धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा।

तुला : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। शत्रु पस्त होंगे।

वृश्चिक : किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

मकर : नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ : दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। यश बढ़ेगा।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मासूम पर कुत्तों ने बोला हमला, पीठ से नोच ले गए मांस, पेट पर भी किए गहरे घाव, मौत

मथुरा. मथुरा में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। आए दिन ये कुत्ते बच्चे हों या बड़े सभी पर हमला बोलकर उन्हें घायल कर दे रहे हैं। कुत्तों के हमले के कारण जानें भी जा रही हैं। इन कुत्तों ने एक तीन साल के मासूम की बुधवार को जान ले ली। मासूम घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान तीन कुत्तों ने मासूम पर हमला कर दिया। जब तक लोग उसे बचाने दौड़ते कुत्तों ने बच्चे को बुरी तरह से नोंच डाला था। परिवार वालों की मानें तो कुत्तों ने मासूम के चेहरे, पेट, पीठ और सीने से मांस को नोंच लिया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया। बच्चे की हालत इतनी गंभीर थी कि उसने डेढ़ घंटे में ही दम तोड़ दिया।

पति ने गला दबाकर पत्नी को मौत के घाट उतारा, एक साल पहले ही हुई थी दोनों की शादी

बस्ती. बस्ती में एक नवविवाहिता की गला दबाकर हत्या की वारदात सामने आई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि पति व पत्नी के बीच किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी। आरोप है कि गुरुवार की सुबह गला दबाकर पति ने पत्नी की हत्या कर दी। ये घटना पैकोलिया थानाक्षेत्र के कपूरपुर का है। यहां रहने वाले रविशंकर की शादी करीब एक साल पहले नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली 25 साल की संगीता गोस्वामी के साथ हुई थी। वह अपनी सास व पति के साथ ससुराल में रह रही थी। आरोप है कि दहेज के लिए भी संगीता को प्रताड़ित किया जा रहा था। गुरुवार की सुबह किसी बात को लेकर पति व पत्नी के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान शिवशंकर ने संगीता का गला दबाकर उसे मार डाला।

कार सवार बदमाशों का उत्पात, ड्राइवर को बेहोश कर सोयाबीन तेल से भरा ट्रक लूटा

बदायूं. बदायूं जिले के मुजरिया थाना क्षेत्र के सबदलपुर गांव के पास कार सवार बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। बदमाशों ने ड्राइवर को बेहोश करके सोयाबीन तेल से भरा ट्रक लूट लिया और चालक को बेहोशी की हालत में फेंक कर फरार हो गए। ट्रक लूट की वारदात के बाद मुजरिया थाना पुलिस और एसओजी टीम जांच में जुट गई है। जिला अस्पताल में भर्ती ट्रक ड्राइवर सरबजीत ने बताया कि वह दिल्ली के स्वरूप नगर का रहने वाला है। वह ट्रक में नेपाल से सोयाबीन तेल भरकर अकेले दिल्ली के लिए लौट रहा था। इसी दौरान कार सवार बदमाशों ने उसके ट्रक को ओवरटेक रुकवा लिया और ट्रक में तीन बदमाश सवार हो गए। उन्होंने सरबजीत को जबरन ट्रक से उतर कर ज़बरन अपनी कार में बैठा लिया और एक साथी उसके ट्रक को लेकर कर चल दिया।

200 टोल से टैक्स का पैसा सरकार को नहीं मिला

खुद का सॉफ्टवेयर लगाया, 3 गिरफ्तार, इंजीनियर ने रची साजिश, STF ने किया खुलासा

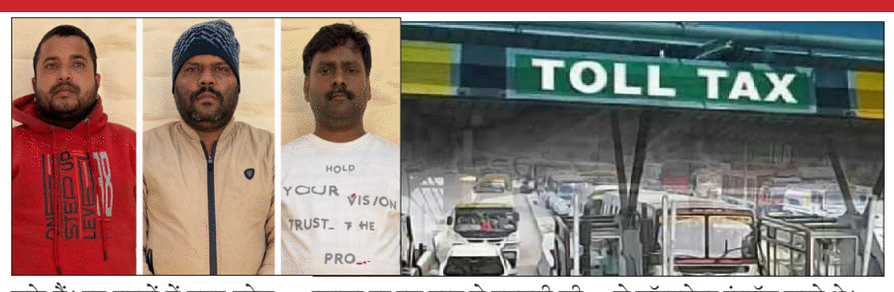

आजमगढ़. यूपी STF ने NHAI के टोल प्लाजा पर टैक्स वसूली में हो रहे घोटाले का पर्दाफाश किया है। लखनऊ STF की टीम ने मंगलवार रात मिर्जापुर के अतरैला टोल प्लाजा पर छापेमारी कर 3 लोगों को पकड़ा।

इन लोगों ने टोल प्लाजा पर लगे NHAI के कंप्यूटर में अपना सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर रखा था। इससे बिना फास्टैग (Fastag) गुजरने वाले वाहनों के कलेक्शन से गबन कर रहे थे। 2 साल से अतरैला के शिवगुलाम टोल प्लाजा से रोज 45 हजार रुपए वसूल रहे थे।

इस तरह से ये लोग अकेले इसी टोल प्लाजा से अब तक 3 करोड़ 28 लाख रुपए गबन कर चुके हैं। ये लोग अब तक देश के 12 राज्यों के 42 टोल प्लाजा में NHAI के समानांतर सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर चुके हैं। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, गुजरात, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल शामिल हैं। STF इंस्पेक्टर दीपक सिंह ने लालगंज थाने में 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। STF ने आरोपियों के कब्जे से 2 लैपटॉप, 1 प्रिंटर, 5 मोबाइल, 1 कार और 19000 रुपए बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 12 राज्यों में करीब 200 टोल प्लाजा पर इस तरह से गड़बड़ी की जा रही है।

लगातार मिल रही थी धोखाधड़ी की शिकायतें

इंस्पेक्टर दीपक सिंह ने बताया- NHAI के विभिन्न टोल प्लाजा पर गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही थीं। ये लोग बिना फास्टैग और फास्टैग अकाउंट में कम पैसे वाले वाहनों को टारगेट करते थे। टोल प्लाजा के बूथ कंप्यूटर में NHAI के सॉफ्टवेयर सर्वर के अलावा अलग से सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करते थे।

वाराणसी STF के ASP विनोद सिंह और लखनऊ के ASP विमल सिंह की टीम लगातार मामले की मॉनिटरिंग कर रही थी। इसी बीच STF को सूचना मिली कि NHAI के सॉफ्टवेयर में अलग से सॉफ्टवेयर बनाने और इंस्टॉल करने वाला व्यक्ति आलोक सिंह वाराणसी में है। STF टीम ने बाबतपुर एयरपोर्ट के पास से आलोक सिंह को पकड़ लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।

इस तरह से कर रहे थे गबन...

- STF की पूछताछ में आलोक ने बताया, 'मैं MCA पास हूं। पहले टोल प्लाजा पर काम करता था। वहीं से टोल प्लाजा का ठेका लेने वाली कंपनियां के संपर्क में आया। इसके बाद टोल प्लाजा मालिकों की मिलीभगत से एक सॉफ्टवेयर बनाया। टोल प्लाजा पर लगे कम्प्यूटर में अपने भी सॉफ्टवेयर को इंस्टॉल कर दिया, जिसका एक्सेस अपने लैपटॉप से कर लिया। इसमें टोल प्लाजा के आईटी कर्मियों ने भी साथ दिया।
- टोल प्लाजा से बिना फास्टैग के गुजरने वाले वाहनों से दोगुना शुल्क हमारे सॉफ्टवेयर से वसूला जाता था। उसकी भी प्रिंट पर्ची NHAI के सॉफ्टवेयर के समान ही होती थी। इस तरह से मालिकों द्वारा बिना फास्टैग वाले वाहनों से वसूली गई। अवैध वसूली के वाहन को वाहन शुल्क से मुक्त श्रेणी दिखाकर जाने दिया जाता था।
- बिना फास्टैग वाले वाहनों से लिए गए टोल टैक्स की औसतन 5% धनराशि NHAI के असली सॉफ्टवेयर से वसूली जाती है, जिससे सामान्य रूप से किसी को शक न हो कि बिना फास्टैग वाले वाहनों का टोल टैक्स खाते में नहीं जा रहा है। जबकि नियमानुसार बिना फास्टैग वाले वाहनों से वसूले जाने वाले टोल टैक्स का 50% NHAI के खाते में जमा करना होता है।

बिहार में DEO के बेड से मिले 3 करोड़ कैश

- बोरी में बांधकर रखे थे नोट और गहने
- 7 ठिकानों पर विजिलेंस की रेड

बेतिया. बिहार में गुरुवार सुबह बेतिया के जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) रजनीकांत प्रवीण के 7 ठिकानों पर विजिलेंस टीम ने रेड की। ये छापेमारी उनके तैनाती वाले जिले बेतिया में दो जगह, ससुराल समस्तीपुर में दो जगह समेत बगहा, मधुबनी और दरभंगा में चल रही है।

पटना से विजिलेंस की 40 सदस्यीय टीम बेतिया पहुंची थी। बसंत विहार इलाके में स्थित DEO के घर में खाद रखने वाली बोरी से 3 करोड़ से ज्यादा कैश और गहने मिले हैं। नोटों से भरी बोरियां बेड के अंदर छिपाकर रखी गई थीं। नोट गिनने वाली मशीन से पैसों की गिनती जारी है।

बेतिया में DEO ऑफिस के क्लर्क अंजनी कुमार के घर पर भी विजिलेंस टीम पहुंची, लेकिन घर पर ताला लगा मिला। सभी लोग फरार हैं। DEO रजनीकांत प्रवीण नालंदा के रहने वाले हैं। इनकी पत्नी स्कूल चलाती हैं। साली भी टीचर है। रजनीकांत 3 साल से बेतिया में पोस्टेड हैं।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने DEO को निलंबित कर दिया है।

बगहा के वाल्मीकि नगर में भी रजनीकांत प्रवीण के एक स्कूल में छापेमारी चल रही है। वहीं समस्तीपुर के बहादुरपुर में शिक्षा पदाधिकारी के ससुराल पर जांच एजेंसी ने दबिश दी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत की सास निर्मला शर्मा रिटायर्ड टीचर हैं, जबकि उनकी पत्नी सुषमा शर्मा समस्तीपुर में तिरहुत एकेडमी हाई स्कूल चलाती हैं। साली पूनम शर्मा समस्तीपुर में ही श्रीकृष्णा हाई स्कूल में टीचर हैं।

हमारी थी और रहेगी पनामा नहर, खैरात में नहीं मिली

- ट्रंप पर भड़का पनामा

पनामा और चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पनामा नहर पर किए गए विवादित दावों को सिरे से खारिज किया है। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने बुधवार को विश्व आर्थिक मंच (WEF) में स्पष्ट रूप से कहा कि पनामा नहर खैरात में नहीं मिली थी और न ही यह अमेरिका का दिया हुआ ₹तोहफा₹ है। इस बीच, चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस दावे को खारिज कर दिया कि नहर पर उसका प्रभावी नियंत्रण है।

पनामा के राष्ट्रपति मुलिनो ने कहा, ₹हम मिस्टर ट्रंप द्वारा कही गई हर बात को पूरी तरह खारिज करते हैं। सबसे पहली बात तो यह कि उन्होंने जो कहा वह झूठ है। दूसरी बात ये है कि पनामा नहर पनामा की संपत्ति है और हमेशा पनामा की ही रहेगी। यह न तो अमेरिका का दिया गिफ्ट था और न ही कोई खैरात थी।₹

ट्रंप ने अपने विवादास्पद बयानों में नहर पर अमेरिकी नियंत्रण को लेकर सैन्य कार्रवाई से भी इनकार नहीं किया। ट्रंप ने सोमवार को अपने उद्घाटन भाषण के दौरान आरोप लगाया कि चीन 'प्रभावी रूप से' नहर का संचालन कर रहा है।

महाकुंभ 2025 में पेश होगा सनातन बोर्ड का मसौदा

- साधु-संतों ने 27 जनवरी की तारीख तय की

प्रयागराज. महाकुंभ के सेक्टर 17 में होने वाली धर्मसभा में आने वाली 27 जनवरी को सनातन बोर्ड का मसौदा पेश किया जाएगा। यह दिन 'धर्म की स्वतंत्रता का दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस बात की जानकारी प्रसिद्ध आध्यात्मिक प्रवक्ता देवकीनंदन ठाकुर ने गुरुवार को निरंजनी अखाड़े में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, 'हमारा धर्म स्वतंत्र नहीं है। हमारे मंदिर सरकारों के अधीन हैं, गुरुकुल बंद हो गए हैं और गौ माता सड़कों पर भटक रही हैं। हमें अपने धर्म और संस्कृति को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए सनातन बोर्ड की जरूरत है।' उन्होंने यह भी बताया कि धर्मसभा में सभी अखाड़ों, चारों शंकराचार्यों के प्रतिनिधि और सनातन धर्म से जुड़े प्रमुख लोग शामिल होंगे। ठाकुर ने साफ शब्दों में कहा, 'जब तक सरकार सनातन बोर्ड का गठन नहीं करती, हम कुंभ से वापस नहीं जाएंगे।'

जूनापीठाधीश्वर महंत स्वामी यतींद्रानंद गिरी ने कहा, 'सनातन बोर्ड सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए जरूरी है। आतंकवाद, नफरत और अराजकता को खत्म करने का रास्ता सिर्फ सनातन धर्म से ही होकर गुजरता है।' निरंजनी अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर और उज्जैन के अर्जुन हनुमान मंदिर के महंत स्वामी प्रेमानंद पुरी ने कहा, 'कुछ लोग गंगा की भूमि को वक्फ बोर्ड का बताने का दावा करते हैं। उन्हें समझना चाहिए कि सनातन धर्म सूर्य की उत्पत्ति से पहले से अस्तित्व में है। देश की अखंडता बनाए रखने के लिए सनातन बोर्ड का गठन अत्यंत जरूरी है।'

आनंद अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी बालकानंद गिरी महाराज ने कहा, जहां आस्था है, वहां सनातन है।

पंजाब में 'तालिबानी सजा'

- चोरी के शक में मुंह काला करके मां संग तीन बेटियों की कराई गई परेड

लुधियाना. पंजाब के लुधियाना में 'तालिबानी सजा' से जुड़ा घिनौना मामला सामने आया है। चोरी के शक में एक महिला और उनकी तीन बेटियों के चेहरे काले करके और गले में 'मैं चोर हूं' की तख्तियां लटकाकर परेड कराई गई। यह घटना उस फैक्ट्री में कपड़े चोरी करने के शक में महिलाओं को ₹सजा₹ देने के तौर पर की गई, जहां वे काम करती थीं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था,जिसके बाद पुलिस ने ऐक्शन लेते हुए फैक्ट्री मालिक समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो बनाने वाला तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस के अनुसार, फैक्ट्री के मालिक, प्रबंधक और एक अन्य व्यक्ति (जिसने इस घटना का वीडियो बनाया) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों ने महिलाओं को फैक्ट्री परिसर में बंधक बनाकर उनके चेहरे काले किए और गले में ₹मैं चोर हूं। मैंने अपनी गलती स्वीकार की।' लिखी तख्तियां पहनाकर परेड कराई।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इस शर्मनाक घटना पर भारी आक्रोश जताया गया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री मालिक परमिंदर सिंह, प्रबंधक मनप्रीत सिंह और वीडियो बनाने वाले मोहम्मद कैश के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पिलखाना नरसंहार : 16 साल बाद 300 पूर्व सैनिकों की हुई रिहाई

ढाका. पड़ोसी देश बांग्लादेश में गुरुवार को 178 पूर्व अर्धसैनिक बलों समेत बांग्लादेश राइफल्स (BDR) के कुल 300 पूर्व सैनिकों को जमानत पर जेल से रिहा कर दिया गया है। इन लोगों पर 16 साल पहले एक हिंसक विद्रोह में भाग लेने के आरोप थे, जिसमें दर्जनों वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की हत्या कर दी गई थी। दरअसल, 2009 में बांग्लादेश राइफल्स के उग्र सैनिकों ने ढाका में शुरू हुए और पूरे देश में फैले दो दिवसीय विद्रोह के दौरान 74 लोगों की हत्या कर दी थी। इस विद्रोह से तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार अस्थिर हो गई थी। हसीना ने विद्रोह से कुछ दिनों पहले ही दूसरी बार देश की बागडोर संभाली थी।

'8-9 घंटे से अधिक नहीं करना चाहिए'

- अदार पूनावाला ने की वर्क लाइफ बैलेंस की वकालत

पुणे. काम के घंटों को लेकर भारत में बहस जारी है। इस सबके बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा है कि इंसान की उत्पादकता 8-9 घंटे से अधिक नहीं हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा है कि वर्क-लाइफ बैलेंस को संतुलन बनाए रखना जरूरी है। यह बयान उन्होंने लार्सन एंड टूब्रो (L&T) के चेयरमैन एसएन सुब्रहमण्यम के द्वारा सप्ताह में 90 घंटे काम करने को लेकर दिए गए बयान पर दिया है। आपको बता दें कि सुब्रहमण्यम ने अफसोस जताया था कि वे अपने कर्मचारियों से रविवार को भी काम नहीं करा सकते।

बिजनेस टुडे से बात करते हुए पूनावाला ने कहा, ₹मानव उत्पादकता 8-9 घंटे से अधिक नहीं हो सकती। कभी-कभी आपको इन घंटों का पालन करना पड़ता है। आप ऐसा हर दिन नहीं कर सकते। सोमवार से रविवार तक आप केवल ऑफिस में काम नहीं कर सकते। यह थोड़ा अव्यावहारिक है।₹ उन्होंने कार्य और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एसएन सुब्रहमण्यम के बयान ने विवाद को जन्म दिया था, जिसमें उन्होंने यह सवाल उठाया था कि कर्मचारी घर पर बैठकर क्या करेंगे। उन्होंने यह भी कहा, "आप अपनी पत्नी को कितने समय तक देख सकते हैं? ऑफिस जाओ और काम शुरू करो।"

इसी तरह इन्फोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने भी 70 घंटे की कार्य सप्ताह का समर्थन किया था। उन्होंने भारत के कार्यबल से अधिक घंटे काम करने की अपील की थी, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर अपनी पूरी क्षमता को साकार कर सके।

पत्नी की हत्या कर शव के टुकड़े कुकर में उबालता रहा पूर्व सैनिक

हैदराबाद. हैदराबाद में पूर्व सैनिक ने पत्नी का खौफनाक कत्ल कर डाला और उसके शव से भी क्रूरता की। उसकी हरकत ऐसी थी कि कोई भी शख्स सुनकर ही सिहर जाए। 45 वर्षीय शख्स गुरु मूर्ति ने अपनी पत्नी का बेरहमी से कत्ल कर डाला और फिर शव के तमाम टुकड़े कर डाले। यही नहीं उसने शव के टुकड़ों को प्रेशर कुकर में उबाला। आरोपी की पहचान गुरु मूर्ति के रूप में हुई है, जो फिलहाल DRDO के स्थानीय सेंटर में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता है। इसके अलावा वह सेना में रह चुका है, जहां से रिटायरमेंट के बाद वह गार्ड की नौकरी कर रहा था। गुरु मूर्ति का अपनी पत्नी के साथ झगड़ा होता रहता था और माना जा रहा है कि विवाद बढ़ने पर ही उसने ऐसे कांड को अंजाम दे डाला। उसकी पत्नी वेंकट माधवी के लापता होने की रिपोर्ट परिजनों ने 16 जनवरी को पुलिस में दर्ज कराई थी।

इस मामले में पुलिस ने अलग-अलग ऐंगल से जांच की और फिर जब गुरु मूर्ति से ही सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। यही नहीं पुलिस से उसने यह भी कबूला कि पत्नी को मार डालने के बाद उसके शव को टुकड़े-टुकड़े कर डाला और उन्हें प्रेशर कुकर में उबाल दिया। ऐसा उसने इसलिए किया ताकि शव से सड़ने के बाद बदबू न आए और दुनिया के सामने उसका यह खूंखार अपराध न आ जाए। पुलिस इंस्पेक्टर नागराजू ने कहा, 'महिला के पैरेंट्स ने मिसिंग कंप्लेंट कराई थी। उनके साथ पति भी आया था। हमें इस मामले में पति पर संदेह हुआ तो पूछताछ की गई। सख्ती दिखाने पर उसने सारी बात कबूल कर ली।'

रणजी ट्रॉफी - रोहित, पंत, गिल और जायसवाल फेल

- कोई भी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका
- महाराष्ट्र के कप्तान अंकित एक मैच के लिए सस्पेंड

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के छठे राउंड की शुरुआत गुरुवार को हो गई। इस राउंड में 7 भारतीय सितारे अपने-अपने स्टेट्स टीम के लिए खेल रहे हैं। इनमें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा और रवींद्र जडेजा जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा फॉर्म से जूझ रहे हैं। रोहित यहां भी कुछ खास नहीं कर सके। 19 गेंदों पर 3 रन बनाकर वह आउट हुए। उनके अलावा ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल भी फेल रहे। ये चारों बैटर दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

दूसरी ओर, महाराष्ट्र के नियमित कप्तान अंकित बावने को एक मैच के लिए सस्पेंड कर दिया गया है।

- रोहित 3 रन बनाकर आउट

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा फॉर्म से जूझ रहे हैं। 10 साल बाद रणजी ट्रॉफी में खेल रहे रोहित जम्मू और कश्मीर के खिलाफ 19 गेंदों पर 3 रन बनाकर वह आउट हुए। उन्हें उमर नजीर ने पारस डोगरा के हाथों कैच कराया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन टेस्ट में सिर्फ 31 रन बनाए थे। मुंबई की कप्तानी अजिंक्य रहाणे कर रहे हैं।

उनके अलावा उनके साथ ओपनिंग करने उतरे यशस्वी जायसवाल भी कुछ खास नहीं कर सके। उन्हें तेज गेंदबाज औकिब नबी डार ने LBW किया। यशस्वी ने 8 गेंदों पर एक चौके की मदद से 4 रन बनाए।

- गिल ने पंजाब से खेलते हुए केवल 4 रन बनाए

भारत के लिए टेस्ट में नंबर तीन पर खेलने वाले शुभमन गिल इस रणजी ट्रॉफी राउंड में खेल रहे हैं। पंजाब की टीम उनकी ही कप्तानी में मैदान पर उतरी। कर्नाटक के खिलाफ गिल सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। कर्नाटक के गेंदबाज अभिलाश शेट्टी ने उन्हें आउट किया। 8 गेंदों की उनकी पारी में एक चौका शामिल था। वहीं, कर्नाटक के खिलाफ पंजाब केवल 55 रन पर ही सिमट गई।

राहुल गांधी आज भी नहीं करेंगे प्रचार

नई दिल्ली. लगातार दूसरे दिन राहुल गांधी की रैली रद्द हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को गुरुवार शाम सात बजे मुस्तफाबाद में रैली को संबोधित करना था। मगर खराब सेहत की वजह से वजह से वह प्रचार नहीं कर पाएंगे। इससे पहले बुधवार को भी दिल्ली के सदर बाजार विधानसभा क्षेत्र में अपनी प्रस्तावित जनसभा को संबोधित नहीं कर सके थे। पार्टी नेताओं ने बताया कि डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। जिसकी वजह से वह रैली में नहीं आएंगे। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, पवन खेड़ा सहित पार्टी नेताओं ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसी कॉन्फ्रेंस के दौरान यादव ने बताया कि राहुल गांधी आज रैली को संबोधित नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे इस बात का दुख है कि राहुल गांधी जो दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की मजबूत आवाज के तौर पर पूरे देश में जाने जाते हैं, वो कल डॉक्टर्स की हिदायत की वजह से सदर में हमारा जो कार्यक्रम था, वहां नहीं पहुंच पाए। मुझे आपको सूचित करते हुए खेद है कि आज भी जो हमारा कार्यक्रम था उसे उनकी सेहत को ध्यान में रखते हुए, डॉक्टर्स की सलाह के बाद कैंसिल किया जा रहा है।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर
प्रभाग समिति क्र.4

जा.क्र. उमपा/सहा.आ/प्र.स४/२५०/२०२५
सहायक आयुक्त, प्र.स ४ कार्यालय,
उल्हासनगर महानगरपालिका,
उल्हासनगर-४२१००५.
दिनांक : २२/०१/२०२५

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम १९७५ चे कलम ८ (3) अन्वये)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र.४ चे हद्दीत खाली नमुद केलेल्या ठिकाणी वृक्ष तोडणेसाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे.

अ.क्र.	अर्जदाराचे नांव	ठिकाण	झाडाचा तपशिल			
			झाडांची जात	फांदयाची संख्या	फांदयाची लांबी	फांदयाचा व्यास
1.	श्री. सतिश जी. खत्री	दुकान क्र.५०, जि.पी.बी. ब्लॉक क्र.४, सिटी सव्व्हे नं. २३०९८/३१२७३, शिट नं.५०, कुर्ला कॅम्प रोड, उल्हासनगर-४२१००४	पिंपळ	१ १	सुमारे ३२ फुट सुमारे ३५ फुट	१.५ फुट २.०फुट

उक्त नमुद केलेल्या ठिकाणी असलेले वृक्ष तोडण्यासाठी कोणत्याही इसमाची हरकत असल्यास त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक २८/०१/२०२५ पूर्वी सहायक आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी प्रभाग समिती क्र.४, अग्निशमन इमारत, उल्हासनगर-४२१००५ या कार्यालयात सादर करावी. मुदतीत लेखी हरकत प्राप्त झाल्यास संबधितास सुनावणी देऊन अंतीम निर्णय घोतला जाईल, विहित मुदतीत हरकत प्राप्त न झाल्यास प्रस्तुत प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(गणेश शिंपी)
वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त
प्रभाग समिती क्र. ४
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उपमा / पीआरओ / 52 /2025
दिनांक :- 23/01/2025

संक्षेप...

ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेताओं के कार्यों की प्रदर्शनी

ठाणे. ठाणे शहर स्थित मराठी ग्रंथ संग्रहालय में ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेताओं के कार्यों की प्रदर्शनी के लिए एक विशेष खंड का उद्घाटन 26 जनवरी को किया जाएगा. पुस्तकालय के अध्यक्ष विद्याधर ठाणेकर ने बताया कि ग्रंथ संग्रहालय जल्द ही शहर के एक लोकप्रिय मॉल में अपने संग्रह का विस्तार करेगा जिससे पुस्तकालय के व्यापक संग्रह तक जनता की पहुंच आसान होगी. उन्होंने बताया कि 26 जनवरी को 'ज्ञानपीठ गैलरी' नामक एक विशेष खंड का उद्घाटन किया जाएगा. जिसमें ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेताओं के विवरण और उनके कार्यों को प्रदर्शित किया जाएगा. ठाणेकर ने पुस्तकालय के संग्रह, विशेष रूप से दुर्लभ पुस्तकों के खजाने के डिजिटलीकरण के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला. इस पहल का उद्देश्य अमूल्य साहित्यिक धरोहरों को संरक्षित करना और उन्हें आधुनिक पाठकों के लिए सुलभ बनाना है.

भिवंडी में बांग्लादेशी रोहिंग्या के एक हजार आवेदन दाखिल

- किरीट सोमैया ने दी चौंकाने वाली जानकारी
- खोनी ग्राम पंचायत, महापोली बोरीवली भिवंडी से इतने सारे दस्तावेज देने के आरोप

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भाजपा नेता वा पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने चौंकाने वाली जानकारी दी है कि करीब 1000 बांग्लादेशी रोहिंग्याओं ने भिवंडी तहसीलदार कार्यालय में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया है। किरीट सोमैया ने आरोप लगाया है कि तालुका के महापोली, खोनी खादीपार और बोरीवली पडघा के ग्राम पंचायत कार्यालयों से कई रोहिंग्याओं को प्रमाण पत्र दिए गए हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि पूरे राज्य में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी रोहिंग्याओं ने स्थानीय तहसीलदार कार्यालय से जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया है, पूर्व भाजपा सांसद किरीट सोमैया ने भिवंडी तहसीलदार कार्यालय में तहसीलदार अभिजीत खोले से मुलाकात की और दायर आवेदनों का सत्यापन किया। कार्यालय। इस मौके पर उनके साथ विधायक महेश चौघुले, भाजपा शहर अध्यक्ष हर्षल पाटिल मौजूद थे। किरीट सोमैया ने सवाल उठाया है कि ये 50-60 साल के पुरुष जो जन्म और मृत्यु का पंजीकरण कराते हैं, वे इतने सालों से कहां थे ?

किरीट सोमैया ने बताया कि राज्य में लगभग दो लाख नागरिकों ने इस पद्धति को अपनाकर प्रमाण पत्र प्राप्त किया है, विशेष जांच एजेंसी इस मामले की जांच कर रही है और जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने की इस साजिश में शामिल सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह मेरे संज्ञान में आया है कि सैकड़ों बांग्लादेशी रोहिंग्याओं को भिवंडी तालुका के महापोली, खोनी खाडीपार और बोरीवली पडघा के ग्राम पंचायत कार्यालयों से फर्जी प्रमाण पत्र दिए गए हैं, जो कि तहसीलदार के पास आने से पहले ही जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारी किरीट सोमैया ने यह जानकारी दिया है।उन्होंने कहा कि वह उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग करेंगे।

उक्त संदर्भ में भिवंडी तहसीलदार अभिजीत खोले ने बताया कि तहसीलदार कार्यालय में करीब 800 आवेदन दाखिल किए गए हैं, जिनमें से 416 आवेदन खारिज कर दिए गए हैं। 150 प्रमाण पत्र जारी किये गये हैं और 234 आवेदन लंबित हैं। जिसकी नियमानुसार गहन जांच की जा रही है।

स्मार्ट सिटी संकल्पना के तहत सड़क दुर्घटना में आयेगी कमी

ठाणे. प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगीनी पाटील ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के तहत शहर में नागरिकों को जागरूक करने के लिए जगह-जगह तमाम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।साथ ही मनपा के स्मार्ट सिटी संकल्पना के तहत जल्द ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी आयेगी।

साल 2023 सड़क दुर्घटना की तुलना में दिसंबर 2024 में सड़क दुर्घटना कम हुआ है।सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए हमने फ्लाइंग स्कॉट जगह जगह तैनात किया है।विजय कुमार कट्टी द्वारा लिखित पुस्तक ग्रैंड रोहणी स्टोरी आन रोड सेफ्टी का विमोचन किया गया।सड़क सुरक्षा अभियान के तहत 1500 ड्राइवर और 2000 स्कूल ड्राइवरों के आँखों के जांच के साथ ही मुफ्त में चश्मा का वितरण किया गया।मोटरसाइकिल चालकों को हेलमेट के उपयोग करने के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।इस अवसर पर उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी रोहित काटकर,सहायक प्रादेशिक परिवहन अधिकारी मानसिंग खाड़े,जनसंपर्क अधिकारी मनोज सानप,धनंजय गोसावी, गणेश पाटील आदि उपस्थित थे।

ठाणे में कुत्ते के हमले में दो दमकल कर्मी घायल

ठाणे. ठाणे शहर में बस स्टॉप के पास गिरे हुए पेड़ को हटाते समय दो दमकल कर्मियों को कुत्ते ने काट लिया। नगर निगम के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना बुधवार रात गामदेवी क्षेत्र में हुई।

ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि नगर निगम के आपातकालीन प्रकोष्ठ को बुधवार रात करीब 11 बजे बस स्टॉप के पास एक पेड़ के गिर जाने की सूचना मिली। जिसके बाद अग्निशमन कर्मी और क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की टीम मौके पर पहुंची।

अधिकारी ने बताया कि दमकल कर्मी जब गिरे हुए पेड़ को काटकर बस स्टॉप से हटाने का प्रयास कर रहे थे, तभी एक कुत्ते ने दो कर्मियों को बुरी तरह काट लिया। उन्होंने बताया कि दोनों कर्मियों को कलवा स्थित अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया और उनका उपचार किया जा रहा है।

अधिकारी ने बताया कि नगर निगम के अन्य कर्मियों ने गिरे हुए पेड़ को क्षेत्र से हटा दिया।

कपिल पाटिल के परिवार ने बाल्या मामा के आरोपों पर दिया जवाब

भिवंडी सांसद सुरेश म्हात्रे अपनी नाकामी छुपाकर टीआरपी बढ़ाने के लिए हमारे परिवार को कर रहे बदनाम : देवेश पाटिल

भिवंडी. पूर्व केंद्रीय मंत्री पाटिल के परिवार ने अपने परिवार पर लगाए गए बाल्या मामा के आरोपों पर पलटवार सिलसिलेवार जवाब देते हुए कहा है कि भिवंडी सांसद सुरेश म्हात्रे अपनी नाकामी छुपाकर टीआरपी बढ़ाने के लिए हमारे परिवार को बदनाम कर रहे हैं. वे बाल्या नहीं काल्या मामा है.पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल के भतीजे व पूर्व जिला पंचायत समिति सदस्य देवेश पाटिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जवाब दिया है कि उनके द्वारा लगाए गए सभी आरोप गलत और बेबुनियाद हैं.इस मौके पर भाई पूर्व जेष्ठ नगरसेवक सुमित पाटिल भी मौजूद थे. 2दिन पहले सांसद बाल्या मामा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के परिवार पर गंभीर आरोप लगाए थे.

पत्रकार परिषद में देवेश पाटिल ने बताया कि बुलेट ट्रेन की जमीन में किए घोटाले और स्व.मनोज म्हात्रे हत्याकांड में हमारे परिवार के सदस्यों पर लगाए गए आरोप पूर्णतया निराधार हैं. हम किसी अस्तित्वहीन के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर भी नहीं करेंगे. उक्त प्रतिक्रिया पूर्व जिला परिषद सदस्य और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री

कपिल पाटिल के भतीजे देवेश पाटिल ने दी है.

देवेश पाटिल ने कहा कि, बुलेट ट्रेन परियोजना में हमारे परिवार के सदस्यों के खिलाफ फर्जी दस्तावेज बनाकर पैसे लेने के सांसद सुरेश म्हात्रे के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि सुरेश म्हात्रे भूल गए हैं कि इसी मामले में भिवंडी अदालत में सुरेश म्हात्रे द्वारा दायर याचिका अदालत ने खारिज कर दी गई है.खुद मनोज म्हात्रे की हत्या निंदनीय है, हमने कभी इसका समर्थन नहीं किया. मामले की पुलिस ने जांच की और कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया और सुनवाई चल रही है

अदालत में विचाराधीन मामले को सार्वजनिक मंच पर उठाकर अदालत का अपमान कर रहे हैं. सांसद सुरेश म्हात्रे और उनके परिवार ने कई किसानों को धोखा देते हुए हफ्ता वसूली और भ्रष्टाचार में लिप्त है. सुरेश म्हात्रे 8 साल बाद हमारे परिवार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने स्वयं वन विभाग की जमीन पर गोदाम बना कर करोड़ों रुपए की सरकारी हेराफेरी की है.देवेश पाटिल ने कहा है कि हम मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, कलेक्टर से तालुका में सभी अनधिकृत निर्माणों की खोज करने का अनुरोध करेंगे और तोड़ू कार्यवाही की मांग करेंगे.

चिकन-मटन बेचने वाली दुकानें 5 फरवरी तक बंद

- बर्ड फ्लू के प्रसार को रोकने के लिए उठाया कदम

ठाणे. ठाणे के कोपरी बारा बंगला इलाके में ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे के सरकारी आवास पर रखी गई मुर्गियों में बर्ड फ्लू होने की बात सामने आने के बाद ठाणे मनपा ने कोपरी इलाके में चिकन और मटन बेचने वाली दुकानों को 5 फरवरी तक बंद रखने का फैसला किया है। नगर निगम ने बर्ड फ्लू के प्रसार को रोकने के लिए ठाणे जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुसार यह कदम उठाया है। पिछले हफ्ते यह बात सामने आई थी कि ठाणे के बड़ा बंगला इलाके में ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे के सरकारी आवास पर रखी गई 20 मुर्गियां बर्ड फ्लू से संक्रमित थीं। इसके बाद जिला पशुपालन विभाग ने बंगले के एक किलोमीटर के दायरे में सभी मुर्गियों को नष्ट करने का काम किया था।

जिला प्रशासन ने इलाके में बर्ड फ्लू के प्रसार को रोकने के लिए कार्ययोजना के अनुसार उपाय करना भी शुरू कर दिया था। इन दस्तों में राज्य के पशुपालन विभाग, ठाणे नगर निगम के पशु चिकित्सा

विभाग और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी शामिल थे। इस क्षेत्र में मुर्गियों और अन्य घरेलू पक्षियों के नमूने भी परीक्षण के लिए भेजे गए थे। उनमें कुछ भी नहीं मिला।

दस्ते ने 127 नागरिकों की स्वास्थ्य जांच भी की और 75 लोगों के स्वाब के नमूने लिए। इसमें कुछ भी नहीं मिला। इस बीच, बर्ड फ्लू के प्रसार को रोकने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में, जिला मजिस्ट्रेट ने कोपरी क्षेत्र में चिकन और अंडे की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया है। तदनुसार, ठाणे नगर निगम ने कोपरी क्षेत्र में चिकन और अंडे के दुकानदारों को एक नोटिस जारी किया है और उन्हें 5 फरवरी तक अपनी दुकानें बंद रखने का आदेश दिया है। इस खबर की पुष्टि ठाणे नगर निगम की मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चेतना नितिल के ने की है। दुकानदारों की प्रतिक्रिया है कि दुकानें बंद होने से आर्थिक नुकसान हो रहा है।

डॉक्टर के पति से 3 करोड़ रुपए की ठगी

ठाणे. मुंब्रा इलाके में डॉक्टर के पति को सरकारी पद दिलाने का झांसा देकर 3 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. शिकायतकर्ता ने बताया कि साल 2020 में आरोपी ने उन्हें एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय) के महाराष्ट्र कार्यालय का चेयरमैन बनाने का वादा किया था.

ठगी के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. मुम्ब्रा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता को केंद्र और महाराष्ट्र सरकार के फर्जी दस्तावेज दिखाए और उन्हें भरोसा दिलाया.

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन्हें ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और इनकम टैक्स जांच का डर दिखाया. इसके अलावा आरोपियों ने एक न्यूज चैनल के जरिए से शिकायतकर्ता उनकी पत्नी और उनके अस्पताल को बदनाम करने की भी धमकी दी.

गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के 35 संदिग्ध मामले सामने आए

पुणे. अधिकारियों ने बताया कि पुणे में गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के 35 संदिग्ध नए मामले सामने आए, जिससे कुल मामलों की संख्या 59 हो गई।एक दिन पहले 24 संदिग्ध मामले सामने आने के बाद राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इस बीमारी में अचानक वृद्धि की जांच के लिए एक टीम बनाई। डॉक्टरों ने कहा कि जीबीएस एक दुर्लभ स्थिति है, जो अचानक सुन्नता और मांसपेशियों में कमजोरी का कारण बनती है, जिसमें अंगों में गंभीर कमजोरी जैसे लक्षण होते हैं।

एक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, ₹जीबीएस के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 59 हो गई, जिनमें 38 पुरुष और 21 महिलाएं शामिल हैं। 12 मरीज फिलहाल वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं।₹राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इस बीमारी में अचानक वृद्धि की जांच के लिए मंगलवार को एक रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) टीम का गठन किया।राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) के वैज्ञानिक डॉ. बाबासाहेब तंदले, स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रेमचंद कांबले, बी जे मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. राजेश कार्यकर्ते, राज्य महामारी विज्ञानी डॉ. भालचंद्र प्रधान और अन्य लोग आरआरटी का हिस्सा हैं।

अधिकांश संदिग्ध मरीज 30 वर्ष की आयु के हैं।अधिकारी ने कहा, ₹आरआरटी के सदस्यों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, जहां इनमें से अधिकांश मामले सामने आए थे और पुणे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी के निर्देश दिए। मरीजों के मल और रक्त के नमूने एनआईवी को भेजे गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों से पानी के नमूनों की जांच की जा रही है।₹

डॉक्टरों ने बताया कि जीवाणु और वायरल संक्रमण आम तौर पर जीबीएस का कारण बनते हैं क्योंकि वे मरीजों की प्रतिरक्षा को कमजोर करते हैं।अधिकारी ने कहा, ₹यह बच्चों और युवा आयु वर्ग दोनों में प्रचलित है। हालांकि, जीबीएस महामारी या सर्वव्यापी महामारी का कारण नहीं बनेगा।₹ उन्होंने कहा कि उपचार के साथ, अधिकांश लोग इस स्थिति से पूरी तरह ठीक हो जाते हैं।

रिक्शा सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकरा गया

कल्याण. शिलफाटा रोड पर एक रिक्शा सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकरा गया। टक्कर में रिक्शा चालक अशोक कुमार (32) घायल हो गया और उसका इलाज ठाणे महानगरपालिका के कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में चल रहा है। अशोक कुमार शिलफाटा से पनवेल की ओर रिक्शा लेकर जा रहा था। उस समय रिक्शा में कोई यात्री नहीं था। जब उसका रिक्शा शिलफाटा के रॉयल रेस्टोरेंट इलाके में पहुंचा तो उसका रिक्शा सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि रिक्शा का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया।

अशोक कुमार भी गंभीर रूप से घायल हो गया और रिक्शा में ही फंसा रह गया। घटना की सूचना मिलने के बाद ट्रैफिक पुलिस और शिलफाटा-डायघर पुलिस मौके पर पहुंची। ठाणे मनपा की दमकल की मदद से अशोक कुमार को रिक्शा से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

SST महाविद्यालय की रेश्मा राठौड़ का खो-खो विश्वकप विजेता भारतीय टीम में बेहतरीन प्रदर्शन

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय की छात्रा रेश्मा राठौड़ का चयन पहली खो-खो विश्वकप के लिए भारतीय टीम में हुआ था, जहां भारतीय महिला टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए नेपाल को हराकर विश्वविजेता का खिताब हासिल किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता दिल्ली में आयोजित हुई, जिसमें 20 देशों ने भाग लिया।

रेश्मा की उपलब्धि ने एक बार फिर एसएसटी महाविद्यालय का नाम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। खेलो इंडिया गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर कई खिताब हासिल करके रेश्मा ने अपने खेल कौशल को साबित किया है।

रेश्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, प्रशिक्षक नरेंद्र मेंगल और पंढरीनाथ म्हस्कर के साथ-साथ एसएसटी महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रबंधन, शिक्षकों और खेल विभाग को दिया है।

इस टीम में महाराष्ट्र की चार खिलाड़ी शामिल थीं, जिन्हें महाराष्ट्र सरकार की ओर से सवा दो करोड़ रुपये की इनामी राशि और साथ ही क्लास वन अधिकारी का पद दिया जाएगा।

एसएसटी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी ने इस सफलता को प्रेरणादायी बताया, जबकि क्रीड़ा संचालक प्रो. राहुल अकुल और अन्य प्राध्यापकों व छात्रों ने रेश्मा को दिल से बधाई दी।

रेश्मा का सम्मान करने के लिए एसएसटी महाविद्यालय की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

शाहिद कपूर नहीं चाहते बच्चे बनें एक्टर्स

- कहा- मत आना यार फिल्मों में, बहुत ज्यादा...

शाहिद कपूर फिल्म देवा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर काफी समय से बज है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने सिंगल पैरेंटिंग को लेकर बात की। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि वह नहीं चाहते कि उनके बच्चे उनकी तरह एक्टर बनें।

शाहिद की बच्चों को सीख

शाहिद से दरअसल, पूछा गया कि ऐसी कोई चीज जो उनके बच्चे उनसे सीखें और जो ना सीखें। इस पर एक्टर ने राज शामनी के पॉडकास्ट में कहा, 'हमेशा सही चीज करो, मैंने हमेशा कोशिश की है कि अच्छा करो चाहे मुझे पसंद हो या किसी और को पसंद ना हो चाहे इससे मुझे नुकसान हो, फर्क नहीं पड़ता। मैं हमेशा सही चीज करूंगी।'

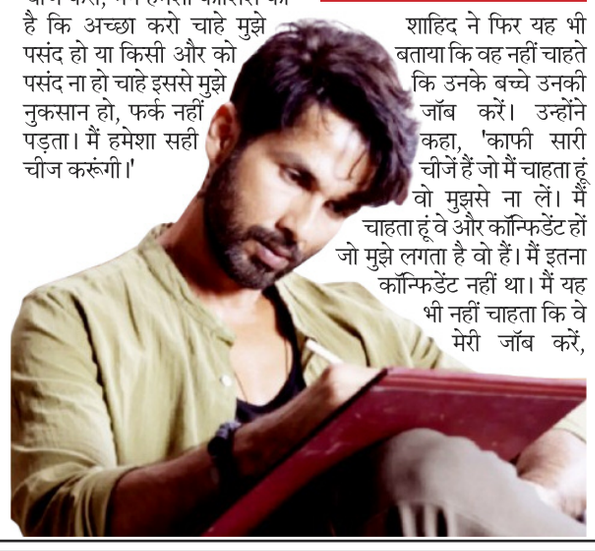

फिल्मों में ना आएं बच्चे

शाहिद ने फिर यह भी बताया कि वह नहीं चाहते कि उनके बच्चे उनकी जॉब करें। उन्होंने कहा, 'काफी सारी चीजें हैं जो मैं चाहता हूं वो मुझसे ना लें। मैं चाहता हूं वे और कॉन्फिडेंट हों जो मुझे लगता है वो हैं। मैं इतना कॉन्फिडेंट नहीं था। मैं यह भी नहीं चाहता कि वे मेरी जॉब करें, पिक्चर में मत आना यार। कुछ और करो, बहुत अप एंड डाउन हुए हैं। अगर वे करेंगे तो उनकी च्वाइस है, लेकिन मैं चाहता हूं वे कुछ सिंपल चुनें। यह बहुत कॉम्प्लेक्स है।' शाहिद की फिल्म देवा की बात करें तो इसमें देव अम्ब्रे का किरदार निभाने पर एक्टर ने कहा था, 'देवा मेरे दिल का एक हिस्सा है। कई साल तक लोग मुझे बोलते रहे कि एक मासी फिल्म करो जो मास को अट्रैक्ट करे। यह मेरे लिए मेरी जर्नी का अगला स्टेप है। यह मेरे करियर की सबसे चैलेंजिग फिल्म है। देव के किरदार में काफी कुछ है जो मैं अभी बताने नहीं वाला। आपको खुद देखना होगा।' फिल्म देवा की बात करें तो इसमें शाहिद के साथ पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं और फिल्म 31 जनवरी को रिलीज हो रही है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099